

जामिया ने की एनईपी-2020 और एनसीएफ-एसई-2023 दिशानिर्देशों के अनुसार ईवीएस टेक्स्टबुक्स को रिवाइज़ और अपडेट करने के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

नई दिल्ली, 08 मई 2025

कक्षा पहली और तीसरी की पर्यावरण अध्ययन (ईवीएस) पाठ्यपुस्तकों के लिए संशोधन और सामग्री विकास पर तीन दिवसीय कार्यशाला, उर्दू माध्यम शिक्षक अकादमी (एपीडीयूएमटी), जेएमआई और होलिस्टिक एजुकेशन ट्रस्ट, दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई, जो कल विश्वविद्यालय में संपन्न हुई। 5 मई, 2025 को शुरू हुई इस कार्यशाला का उद्देश्य ईवीएस पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करना और एनईपी-2020 और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन (एनसीएफ-एसई-2023) के संदर्भ में उनकी सामग्री को तर्कसंगत बनाना था।

शुरुआत में, अकादमी ने होलिस्टिक एजुकेशन ट्रस्ट, दिल्ली के सहयोग से इस तरह की कार्यशाला आयोजित करने के लिए उनकी मंजूरी और समर्थन के लिए जेएमआई के कुलपति प्रोफेसर मजहर आसिफ और रजिस्ट्रार जेएमआई प्रोफेसर मोहम्मद महताब आलम रिजवी के हार्दिक आभार व्यक्त किया। प्रो. जसीम अहमद, एपीडीयूएमटी, जामिया के निदेशक ने एचईटी के सचिव श्री सैयद तनवीर अहमद, ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों और आमंत्रित रिसोर्स पर्सन्स का स्वागत किया। उन्होंने कार्यशाला के प्रमुख उद्देश्यों को रेखांकित किया और सामग्री संगठन के सिद्धांतों और एनसीएफ-एसई-2023 के पाठ्यचर्या लक्ष्यों पर चर्चा की। प्रोफेसर अहमद ने पाठ्यपुस्तक संशोधन की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला और रिसोर्स पर्सन्स से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि जब पाठ्यपुस्तकों की सामग्री संशोधन और विकास की बात आती है तो देश के मूल्यों, संस्कृति और समृद्ध विरासत को उचित महत्व दिया जाता है। उन्होंने शुरुआती शिक्षार्थियों के बीच 21वीं सदी के कौशल विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

होलिस्टिक एजुकेशन ट्रस्ट के सचिव सैयद तनवीर अहमद ने ट्रस्ट के दृष्टिकोण, मिशन और उद्देश्यों पर चर्चा की। उन्होंने पर्यावरण संबंधी चिंताओं और मूल्य शिक्षा के संदर्भ में एनईपी-2020 और एनसीएफ-एसई-2023 के फोकस को भी रेखांकित किया। कक्षा 3 के लिए कार्यशाला समन्वयक डॉ. ए. वाहिद नज़ीर ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का संचालन किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन कक्षा-1 की समन्वयक डॉ. हिना आफरीन ने किया। उद्घाटन सत्र के बाद दोनों समन्वयकों ने अपने रिसोर्स पर्सन्स के साथ बातचीत की और एनईपी-2020 और एनसीएफ-एसई-2023 के आलोक में पाठ्यपुस्तक के संशोधन और विकास के बारे में रणनीतियों पर चर्चा की।

कार्यशालाओं में सामान्य समूहों के साथ-साथ कक्षा और विषय-विशिष्ट समूह स्थितियों में रिसोर्स पर्सन्स के बीच समृद्ध विचार-विमर्श और गहन विचार-विमर्श देखा गया। इन चर्चाओं से सभी रिसोर्स पर्सन्स और विषय विशेषज्ञों को पाठ्य पुस्तकों को संशोधित करने, कुछ नए अध्यायों को जोड़ने और मौजूदा अध्यायों को फिर से लिखने में मदद मिलेगी, ताकि उन्हें वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों और चुनौतियों के लिए अधिक प्रासंगिक और उपयोगी बनाया जा सके।

यह तीन दिवसीय कार्यशाला पुस्तक में शामिल किए जाने वाले अध्यायों के प्रारंभिक मसौदे और 21वीं शताब्दी और एनसीएफ-एसई-2023 दिशानिर्देश की आवश्यकताओं के आलोक में सामग्री के युक्तिकरण के साथ संपन्न हुई।

तैयार किए गए अध्यायों को आगामी कार्यशालाओं में प्रस्तुत किया जाएगा और चर्चा की जाएगी ताकि कक्षा I और कक्षा III के लिए ईवीएस पाठ्यपुस्तकों को अंतिम रूप दिया जा सके।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया